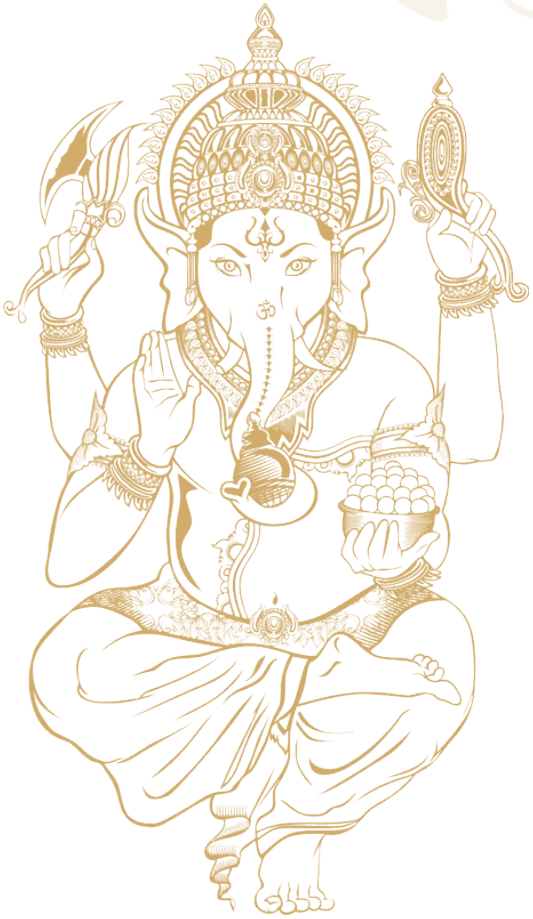

Anish Mukherjee

05 Dec 1984

08:34 AM

Jamshedpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121731506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/12/1984**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:34:00 घंटे**
इष्ट	05:55:15 घटी
स्थान	**Jamshedpur**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	22:47:00 उत्तर
रेखांश	86:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:48:48 घंटे
वेलान्तर	00:09:20 घंटे
साम्पातिक काल	13:45:13 घंटे
सूर्योदय	06:11:54 घंटे
सूर्यास्त	16:59:53 घंटे
दिनमान	10:48:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:31:20 वृश्चिक
लग्न के अंश	21:18:38 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	परिघ
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	21:18:38	353:56:22	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	19:31:20	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	11:43:30	12:02:36	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			मक	20:59:12	00:45:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध	व		धनु	07:09:50	00:02:16	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	21:46:44	00:12:52	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मक	01:37:09	01:11:00	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			तुला	28:14:27	00:06:52	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु			वृष	03:48:22	00:01:15	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	03:48:22	00:01:15	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	20:06:50	00:03:42	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	06:50:05	00:02:11	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	09:58:43	00:01:59	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			तुला	04:40:16	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:32

लग्न-चलित

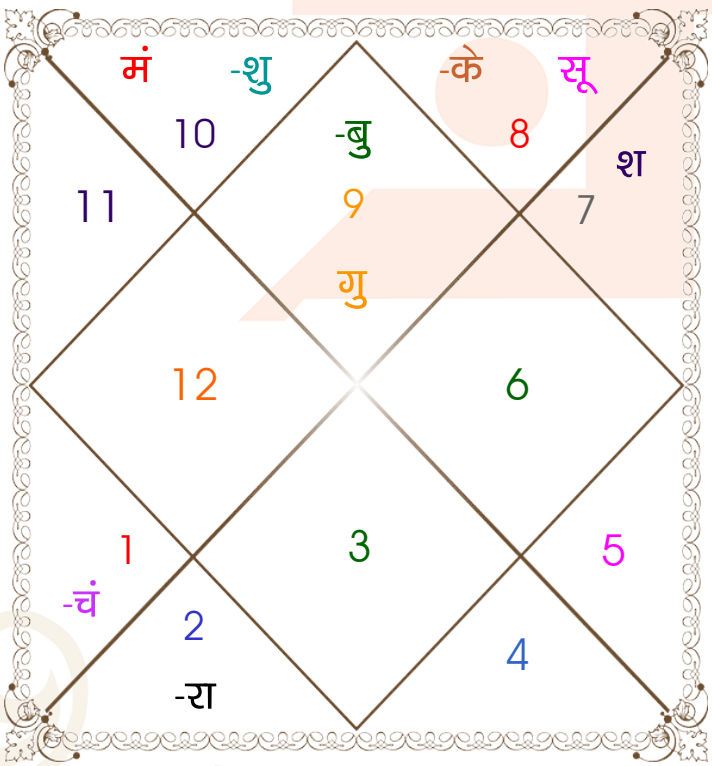

चन्द्र कुंडली

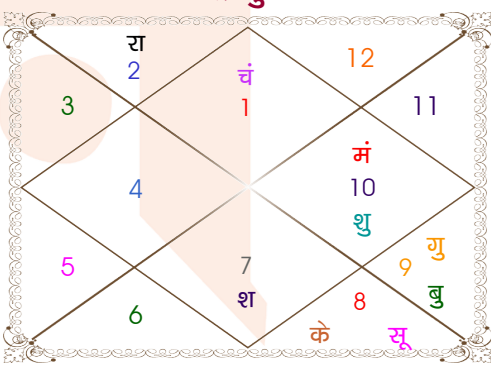

नवमांश कुंडली

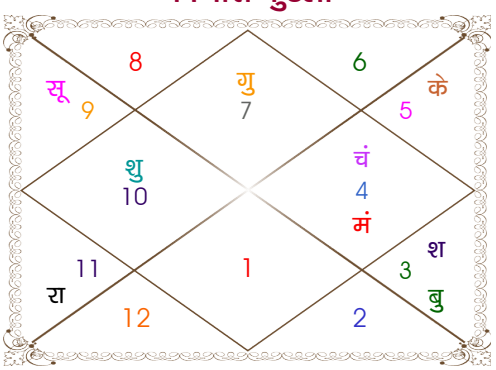

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 10 मास 4 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/12/1984		09/10/1985		09/10/2005		10/10/2011		09/10/2021	
09/10/1985		09/10/2005		10/10/2011		09/10/2021		09/10/2028	
	00/00/0000	शुक्र	08/02/1989	सूर्य	27/01/2006	चंद्र	09/08/2012	मंगल	07/03/2022
	00/00/0000	सूर्य	08/02/1990	चंद्र	28/07/2006	मंगल	10/03/2013	राहु	26/03/2023
	00/00/0000	चंद्र	10/10/1991	मंगल	03/12/2006	राहु	09/09/2014	गुरु	01/03/2024
	00/00/0000	मंगल	09/12/1992	राहु	28/10/2007	गुरु	09/01/2016	शनि	10/04/2025
	00/00/0000	राहु	10/12/1995	गुरु	15/08/2008	शनि	09/08/2017	बुध	07/04/2026
	00/00/0000	गुरु	10/08/1998	शनि	28/07/2009	बुध	09/01/2019	केतु	03/09/2026
	00/00/0000	शनि	09/10/2001	बुध	04/06/2010	केतु	10/08/2019	शुक्र	03/11/2027
	05/12/1984	बुध	09/08/2004	केतु	09/10/2010	शुक्र	10/04/2021	सूर्य	10/03/2028
बुध	09/10/1985	केतु	09/10/2005	शुक्र	10/10/2011	सूर्य	09/10/2021	चंद्र	09/10/2028

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/10/2028		09/10/2046		09/10/2062		09/10/2081		09/10/2098	
09/10/2046		09/10/2062		09/10/2081		09/10/2098		06/12/2104	
राहु	22/06/2031	गुरु	27/11/2048	शनि	12/10/2065	बुध	07/03/2084	केतु	08/03/2099
गुरु	15/11/2033	शनि	10/06/2051	बुध	21/06/2068	केतु	04/03/2085	शुक्र	08/05/2100
शनि	21/09/2036	बुध	15/09/2053	केतु	31/07/2069	शुक्र	03/01/2088	सूर्य	13/09/2100
बुध	10/04/2039	केतु	22/08/2054	शुक्र	30/09/2072	सूर्य	08/11/2088	चंद्र	14/04/2101
केतु	28/04/2040	शुक्र	22/04/2057	सूर्य	12/09/2073	चंद्र	10/04/2090	मंगल	10/09/2101
शुक्र	28/04/2043	सूर्य	08/02/2058	चंद्र	13/04/2075	मंगल	07/04/2091	राहु	28/09/2102
सूर्य	22/03/2044	चंद्र	10/06/2059	मंगल	22/05/2076	राहु	24/10/2093	गुरु	04/09/2103
चंद्र	21/09/2045	मंगल	16/05/2060	राहु	29/03/2079	गुरु	30/01/2096	शनि	13/10/2104
मंगल	09/10/2046	राहु	09/10/2062	गुरु	09/10/2081	शनि	09/10/2098	बुध	06/12/2104

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 10 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।